भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3962
बुधवार, 22 दिसम्बर, 2021 को उत्तर दिए जाने के लिए

महासागर जल उपयुक्तता

3962 श्री मद्दीला गुरूमूर्ति :

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भोजन, ऊर्जा, परिवहन, खनिज, पेयजल, अवकाश और स्वास्थ्य के लिए नेल्लोर जिला तट रेखा, समुद्री तट और महासागर के साथ विशिष्ट उद्योग कार्यक्षेत्र से संबंधित सर्वेक्षण और व्यवहार्यता अध्ययन संबंधी विस्तृत रिपोर्ट क्या है;

(ख) नागरिकों की आजीविका के लिए समुद्र/महासागर जल उपयुक्तता संबंधी क्रियाकलापों और संघ तथा राज्य सरकारों के लिए राजस्व सृजन का ब्यौरा क्या है;

(ग) इस संबंध में अब तक किए गए सर्वेक्षण, अध्ययनों, मूल्यांकन और व्यवहार्यता का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या पाँच ट्रिलियन अर्थव्यवस्था का लक्ष्य प्राप्त करने में सीएसआईआर संस्थान/संगठन नागरिकों और सरकार का मूल्यवर्धन करेंगे;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और कब तक अंतिम रिपोर्ट दिए जाने की संभावना है;

(च) तांबे, कोबाल्ट, निकल और मैंगनीज जैसी धातुओं से भरपूर गहरे समुद्र के तल पर पाए जाने वाले पॉलीमेटेलिक मॉड्यूल को निकालने के लिए नेल्लोर जिले के तटरेखा पर गहरे समुद्र में खनन कब तक शुरू होने जा रहा है;

(छ) क्या इस संबंध में निविदाएं मांगी गई हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ज) क्या विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है और इसे कब तक उपलब्ध कराया जाएगा; और

(झ) पाँच ट्रिलियन अर्थव्यवस्था तक पहुंचने के लिए आयात विकल्प के रूप में यदि भारतीय उद्योग को व्यावसायिक रूप से खनिज उपलब्ध कराये जाएं तो खनिजों के मूल्य का निर्णायक अनुमान क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने विशेष रूप से नेल्लोर जिले के औद्योगिक क्षेत्रों से सम्बन्धित सर्वेक्षण एवं सुगमता अध्ययन पर कोई विस्तृत रिपोर्ट तैयार नहीं की है।

(ख) एवं (ग) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का स्वायत्तशासी निकाय राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (एन.आई.ओ.टी.) समुद्री पानी के विलवणीकरण तथा बिजली बनाने के लिए समुद्री लहरों, धाराओं एवं थर्मल ग्रेडिएंट से ऊर्जा प्राप्त करने सम्बन्धी अनुसंधान करता है। एनआईओटी ने अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियां भी विकसित की हैं, जो निम्न तापमान ऊष्मीय विलवणीकरण (एलटीटीडी) तकनीकों का प्रयोग करते हुए मीठा पेय जल निर्मित कर सकती हैं। एलटीटीडी प्रौद्योगिकी पर आधारित तीन विलवणीकरण संयंत्र कवरत्ती, अगाती, मिनिकॉय द्वीप में स्थापित किए गए हैं। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय कोई राजस्व जनरेट नहीं कर रहा है, और ये गतिविधियां सामाजिक लाभ के लिए हैं।

(घ) एवं (ङ) वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) ने खनिज और सामग्री प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर-आईएमएमटी), ओडिशा नामक अपनी संघटक प्रयोगशाला के माध्यम से अपने सतत अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के हिस्से के रूप में नेल्लोर के तटवर्ती जिले में कोठापटनम में प्रस्तावित मेगा लेदर क्लस्टर के विकास हेतु एपी जेनको के कृष्णापटनम विद्युत संयंत्र एवं कृष्णापटनम अन्तरराष्ट्रीय लेदर कॉम्पलेक्स (केपीआईएलसी) हेतु समुद्री पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन किया।

(च) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पास नेल्लोर जिले की तटरेखा पर पॉलीमेटैलिक नॉड्यूल्स के निष्कर्षण हेतु कोई प्रस्ताव नहीं है।

(छ), (ज) एवं (झ) प्रश्न नहीं उठता।

*****